www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 285 || लखनऊ
रविवार
18 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक तमसा संकेत
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 06:56
सूर्यास्त: 05:37
अधिकतम: 19°00
न्यूनतम: 09°00

» पेज 03

विशेष समाचार | क्या महाराष्ट्र निकाय चुनावों से ... » पेज 02 | लखनऊ यूनिवर्सिटी में बवाल, छात्र ... » पेज 04 | तमन्ना के आइटम नंबर 'आज की रात' ने ...

यह कांग्रेस की साजिश, रानी की प्रतिमा सुरक्षित, मणिकर्णिका घाट पर अभी काम रुका

अहिल्याबाई की टूटी मूर्ति का वीडियो एआई से बना : योगी

सीएम ने कहा- अहिल्याबाई का कांग्रेस ने सम्मान नहीं किया। इनके नेताओं की टिप्पणी पर हंसी और दया आती है। ये वैसा ही है, जैसे 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। मैं एआई से तस्वीर बनाने वालों को चेतावनी देता हूं, इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, 10 जनवरी को इंदौर के होल्कर ट्रस्ट ने दावा किया था कि मणिकर्णिका घाट पर देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति तोड़ दी गई। कई धार्मिक प्रतीकों को भी नुकसान हुआ। कुछ मूर्तियां टूटकर मलबे में दब गईं। इसके बाद कुछ तस्वीरें भी सामने आई थीं। तब, वाराणसी के डीएम ने इन्हें एआई जनरेटेड करार दिया था।

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी में मणिकर्णिका घाट पर रानी अहिल्याबाई की मूर्ति टूटने के विवाद पर सीएम योगी ने शनिवार को इसके लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा- रानी की मूर्ति सुरक्षित रखी है। कांग्रेस ने AI से मूर्ति टूटने का वीडियो बनाया। यह काशी को बदनाम करने की साजिश है, इसलिए मुझे खुद यहां आना पड़ा। साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। सीएम ने कहा- मंदिर तोड़े गए हैं, इससे ज्यादा बड़ा झूठ नहीं हो सकता। अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को संरक्षित किया गया है। जब जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा, तब प्रतिमा नई तरह से दिखेगी। कांग्रेस मंदिर तोड़ने के एआई वीडियो से जनता को गुमराह कर रही, यह अपराध है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव ने भी इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार बताया था। फिलहाल, मणिकर्णिका घाट पर नए निर्माण का काम अभी रुका है। सीएम ने काशी विश्वनाथ मंदिर में ही स्थित मां अहिल्याबाई का पूजन किया। इसके साथ ही विकास कार्यों के बारे में मंडलायुक्त एस राजलिंगम से जानकारी ली। काशी में 40 से ज्यादा मंदिरों का भी जीर्णोद्धार हमने करवाया। मैं AI से तस्वीर बनाने वालों को चेतावनी देता हूं, इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ काशी पहुंचे हैं। योगी ने काल भैरव की आरती उतारी और मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद सीएम योगी बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचे।

» (शेष पेज 04 पर)

कांग्रेस की अनर्गल टिप्पणी पर दया आती है

सीएम ने कहा- विरासत का सम्मान कैसे होता है, ये हमें कांग्रेस से पूछने की आवश्यकता नहीं है। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ, ये तीर्थ स्थल हो या विरासत...पीएम मोदी ने ये काम करवाए हैं। यूपी और देश में सकुशल ये काम पूरे हो रहे हैं। कांग्रेस की अनर्गल टिप्पणी हंसी भी आती है। दया भी आती है...ये कृत्य वैसा ही है, जैसे सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली।

सीएम ने कहा- देश की संसद में काशी का प्रतिनिधि खुद पीएम मोदी करते हैं। शुरू से उन्होंने कहा है कि पुरातन काया को संरक्षित करते हुए नए कलेवर में देश के सामने पेश करना चाहिए उसके अनुरूप काशी के लिए योजनाएं बनीं, 55 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट बने, 36 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट काम पूरे हुए हैं। बाकी पर काम चल रहा है।

कांग्रेस ने अहिल्याबाई होल्कर का सम्मान नहीं किया

सीएम ने कहा- औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ मंदिर तोड़ा। मंदिर का जीर्णोद्धार करने का सबसे पहला प्रयास अहिल्याबाई होल्कर ने किया। कांग्रेस ने उनका सम्मान नहीं किया, जिन्होंने अपने समय में इन विरासत को आगे नहीं बढ़ाया, मगर अब ये लोग बाज नहीं आ रहे हैं। अनर्गल प्रलाप करते हैं, नाविकों के बारे में टिप्पणी करते हैं।

योगी की बड़ी बातें

- *सीएम ने कहा- मणिकर्णिका घाट पर गंगा का पानी आ जाता है, गलियों में अंतिम संस्कार किया जाता है, उसके लिए कितनी दिक्कत खड़ी होती है। सोचिए परिवारों पर क्या गुजरती होगी कि जब पानी भरा हो, कोई जीव शव को नोच रहा हो, इन सबसे लोगों को सुविधा देने के लिए यह काम हो रहा है।*
- *घाटों का संरक्षण लंबे समय तक हो सके, दाह संस्कार में किसी तरह की धार्मिक संस्कार में हस्तक्षेप न हो सके। मणिकर्णिका घाट से निकलने वाली राख से गंगा जल को स्वच्छता बनाए रखने के लिए काम हो रहे हैं।*
- *डोम समुदाय हजारों सालों से इस काम वहां पर कर रहे हैं, उनके द्वारा हजारों सालों से सम्मानजनक तरीके से ये काम किया जा रहा है, उनके सम्मान को भी ठेस न पहुंचे, इसलिए शवदाह इको फ्रेंडली बन सके, वहां ऐसी टेक्नोलॉजी का ध्यान में रखते हुए काम हो रहे हैं। ताकि जब गंगा जल बढ़े, तो भी दिक्कत न हो, ऐसा निर्माण हो रहे हैं। लकड़ी भंडारण का व्यवस्था की गई है, लोगों को ही इससे सुविधाएं होंगी।*
- *वेस्ट मैनेजमेंट, ड्रेनेज, लाइटिंग की व्यवस्थाएं हो रही हैं। अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के संरक्षण के काम हो रहे हैं।*

अजय बोले- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया

यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा- वाराणसी में मणिकर्णिका घाट से हटाई गई मूर्तियों के निरीक्षण के लिए शांतिपूर्ण ढंग से जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सामूहिक गिरफ्तारी, भाजपा सरकार की तानाशाही और दमनकारी सोच को उजागर करती है। सच दिखाने से डर क्यों? धरोहर बचाने की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। भाजपा सरकार याद रखे, काशी डरेगी नहीं, झुकेगी नहीं। कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इस अन्याय के ख़िलाफ संघर्ष करेगी।

योगी बोले- काशी को बदनाम करने की साजिश हुई

काशी को बदनाम करने की साजिश हुई। कुछ लोग विकास में बैरियर बन रहे हैं। 11 सालों में हुए विकास के रास्ते में बाधक बन रहे हैं, इसलिए आज मुझे यहां आना पड़ा है। काशी के लिए हर भारतीय श्रद्धा का भाव रखता है, लेकिन स्वतंत्र भारत में काशी का जो विकास होना चाहिए था।

कांग्रेस ने घुसपैठियों से जमीन पर कब्जा कराया : पीएम मोदी

ये कांग्रेस के कट्टर वोटर, हिमंता सरकार कब्जे हटाकर घुसपैठियों को खदेड़ रही

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम में कहा कि कांग्रेस असम को अपना नहीं मानती। आजादी के बाद असम के सामने कई चुनौतियां थीं। कांग्रेस ने समस्या का समाधान नहीं निकाला। जब जरूरत अपने लोगों के जख्म भरने, उनकी सेवा करने की थी तब कांग्रेस ने घुसपैठियों की सेवा की। ये घुसपैठिये कांग्रेस के कट्टर वोटर हैं। ये लोग जमीन पर कब्जा करते रहे, कांग्रेस उनकी मदद करती रही। हिमंता सरकार आज लाखों बीघा जमीन को घुसपैठियों से मुक्त करा रही है। एक समय यहां आए दिन रक्तपात होते थे, आज संस्कृति के रंग सज रहे हैं। पहले जहां, कर्फ्यू का सन्नाटा होता था। आज संगीत गूंज रहा है। पीएम गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित 'बागुरुम्बा दोहोउ 2026' में शामिल हुए। यह बोडो समुदाय का पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इससे पहले एयरपोर्ट से स्टेडियम तक पीएम ने रोड शो निकाला। मोदी रात में गुवाहाटी में रुकेंगे। रविवार को कालियाबोर जाएंगे, यहां 6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे।

पीएम ने मालदा टाउन से पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इनॉगरेशन किया।

असम में पीएम के संबोधन की 2 बड़ी बातें...

- **कांग्रेस विरोध:** भूपेन हजारिका को भारत रत्न देने और असम में सेमिकंडक्टर यूनिट पर कांग्रेस ने विरोध जताया।
- **भाजपा उपलब्धि:** असम और दिल्ली के बीच दूरी कम कर व्यापार, पर्यटन और विकास को बढ़ावा।

गणतंत्र दिवस से पहले आतंकियों के निशाने पर दिल्ली

नई दिल्ली। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया है। न्यूज एजेंसी ANI के अनुसार, इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि प्रतिबंधित खालिस्तानी और बांग्लादेश के आतंकी संगठन दिल्ली समेत देश के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर विदेश से संचालित खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलरों के लिए 'फुट सोल्जर' की भूमिका निभा रहे हैं। ये हैंडलर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने और भारत की आंतरिक सुरक्षा को बाधित करने के लिए क्रिमिनल नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। अलर्ट के मुताबिक, ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में एक्टिव हैं और धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकी संगठनों से संपर्क बढ़ा रहे हैं।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में तनाव, 30 लोग गिरफ्तार

प्रदर्शनकारियों ने रेलवे गेट तोड़ा, हाइवे जाम

- **प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाइवे-12 को जाम कर दिया।**
- **16 जनवरी को ग्रामीणों ने बेलडांगा रेलवे स्टेशन और एनएच-12 को जाम कर दिया था।**

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को दूसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने NH-12 और रेलवे ट्रैक को फिर से जाम कर दिया है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। यह विरोध बिहार में एक प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद भड़का है। इससे एक दिन पहले झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर बेलडांगा में हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिससे सड़क और रेल रूट घंटों ठप रहा था। एडिशनल एसपी ने बताया कि अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को शांति बनाए रखने की अपील की थी।

» (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

अरुणाचल में जमी हुई झील में फिसलकर दो युवक डूबे

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में स्थित सेला लेक में शुक्रवार को केरल के दो युवक डूब गए। एक पर्यटक का शव शुक्रवार को ही बरामद कर लिया गया, पानी के भीतर कम विजिबिलिटी के कारण गोताखोरों को शव ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस अधीक्षक (SP) डी.डब्ल्यू. थोंगोन ने बताया कि मृतकों की पहचान दिनु (26) और महादेव (24) के रूप में हुई है।

महिलाओं को अब ₹2100 के बजाय ₹1100 मिलेंगे

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पंडित दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना में बदलाव किया है। अब इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में 2100 रुपए की जगह 1100 रुपए आएंगे। यह बदलाव फरवरी से लागू होगा। शनिवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि योजना के 2100 रुपए में से 1000 रुपए सरकार द्वारा संचालित आवर्ती जमा (RD) या सावधि जमा (FD) खाते में जमा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में महिला सशक्तिकरण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं।

अपने शहर में टॉयलेट का पानी बेचता हूं : गडकरी

विदिशा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वे अपने शहर में टॉयलेट के पानी का दोबारा उपयोग कर उसे बेचते हैं, जिससे करीब 300 करोड़ रुपए की आमदनी होती है। उन्होंने कहा कि अब कचरे से भी कमाई शुरू कर दी है। यहां कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने करीब 181 किलोमीटर लंबी 8 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

इंटरनेशनल ट्रेड किसी दबाव में नहीं होगा : भागवत

कोई देश टैरिफ लगाता रहे, भारत आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी (लोकल) सामान के इस्तेमाल करने की अपील करते हुए कहा कि जहां तक हो सके, देश में बना हुआ सामान ही खरीदें। अगर कोई चीज भारत में नहीं बन सकती, तभी उसे बाहर से मंगाना चाहिए। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक हिंदू सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत इंटरनेशनल ट्रेड कर रहा है, लेकिन किसी देश के दबाव में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि चाहे कोई देश टैरिफ लगाए या दबाव बनाए, भारत ने आत्मनिर्भर बनने का रास्ता चुन लिया है और उसी पर चलना चाहिए। भागवत ने कहा कि सदियों से हमलों, कठिनाइयों और तबाही के बावजूद भारत की परंपराएं और मूल मूल्य जीवित रहे हैं, जिन्होंने अपने अंदर अच्छे संस्कार, धर्म और मूल्य बचाकर रखे, वही हिंदू कहलाए, और ऐसे लोगों की भूमि को भारत कहा गया।

भागवत ने कहा कि कुछ देश ग्लोबलाइजेशन को सिर्फ ग्लोबल मार्केट की तरह देखते हैं, लेकिन भारत इसे एक ग्लोबल फैमिली के नजरिए से देखता है। हमें दूसरे देशों में रोजगार पैदा करने की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उनकी जिम्मेदारी है।

मेयर के लिए भाजपा को 25 पार्षद चाहिए, कैबिनेट मीटिंग में नहीं पहुंचे शिंदे-अजित

शिंदे के सभी 29 पार्षद होटल में शिफ्ट

हलचल

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव रिजल्ट के एक दिन बाद मुंबई में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। शिवसेना (शिंदे) ने सभी 29 पार्षदों को ताज होटल शिफ्ट कर दिया है। शिवसेना (शिंदे) के इस फैसले को मुंबई के मेयर पद से जोड़कर देखा जा रहा है। 227 पार्षदों वाली बीएमसी में भाजपा ने 89 सीटों पर जीत दर्ज की है। बहुमत का आंकड़ा 114 है। भाजपा को मेयर बनाने के लिए 25 पार्षदों की जरूरत होगी। सूत्रों ने तमसा संकेत को बताया कि शिंदे गुट और अजित पवार गुट को जितनी उम्मीद थी, परिणाम वैसा नहीं आया। दोनों डिप्टी सीएम अपनी पार्टियों की सीटें कम आने से भाजपा से नाराज हैं। शनिवार को महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में भी दोनों उप मुख्यमंत्री नहीं गए। शिवसेना की ओर से कहा गया शिंदे बीमार हैं। उधर CM फडणवीस ने कहा, मेयर कौन बनेगा और कब चुना जाएगा। ये सभी फैसले मैं, एकनाथ शिंदे और हमारे पार्टी नेता मिलकर लेंगे। इस पर कोई विवाद नहीं है। महाराष्ट्र में निगम चुनावों में बीजेपी ने कुल 29 नगर निगमों में से 17 पर जीत दर्ज की है। वहीं, उसके नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 8 निगमों में जीत हासिल की। इस तरह भाजपा गठबंधन को 25 नगर निगमों में जीत मिली है। शिवसेना ने 399, कांग्रेस ने 324, NCP ने 167, शिवसेना (UBT) ने 155, NCP (SP) ने 36, MNS ने 13, BSP ने 6, SEC में रजिस्टर्ड पार्टियों ने 129, गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों ने 196 और 19 सीटें निर्दलीयों ने जीतीं। 227 सदस्यों वाली BMC में BJP ने 89 और सहयोगी शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। जबकि उद्धव की शिवसेना को 65 और MNS को 6 सीटें मिलीं। कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी (VBA) के गठबंधन को 24 सीटें मिलीं। AIMIM को 8, NCP को 3, समाजवादी पार्टी को 2, और NCP (SP) को सिर्फ 1 सीट मिली।

पहले सबसे चर्चित 5 नगर निगमों के नतीजे

भाजपा-शिवसेना (शिंदे) के गठबंधन ने उद्धव ठाकरे से BMC छीनकर, उनका तीन दशक पुराना दबदबा खत्म कर दिया है। बीएमसी में भाजपा 89 जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से घोषित फाइनल रिजल्ट के मुताबिक BJP+ ने 29 नगर निगमों में 2,869 सीटों में से 1,425 सीटें जीती हैं।

महाराष्ट्र चुनाव में मिली हार के यूबीटी के संजय राउत ने एकनाथ शिंदे को शिवसेना का जयचंद बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा- अगर एकनाथ शिंदे शिवसेना के जयचंद नहीं बनते, तो बीजेपी को मुंबई में कभी मेयर नहीं मिलता। मराठी लोग शिंदे को जयचंद के रूप में याद रखेंगे।

बीएमसी चुनाव

कुल सीटें: 227 | बहुमत- 114

पार्टी	सीटें
भाजपा	89
शिवसेना (शिंदे)	29
एनसीपी (अजित)	3
शिवसेना (उद्धव)	65
एनसीपी (शरद पवार)	1
एमएनएस	6
कांग्रेस	24
अन्य	10

» (शेष पेज 04 पर)

मुलाकात : इंदौर में मृतकों के परिजन को डेढ़-डेढ़ लाख के चेक दिए, कहा- सरकार जिम्मेदारी ले

पानी पीकर लोग मर रहे, यही अर्बन मॉडल : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

इंदौर। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचे। राहुल सबसे पहले बॉम्बे हॉस्पिटल गए, जहां उन्होंने दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और परिजन से मुलाकात की। राहुल ने कहा- ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। ये है अर्बन मॉडल। उन्होंने कहा, इस दौरान राहुल भागीरथपुरा भी गए और दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से मिले। दोनों परिवारों को उन्होंने चेक दिया। इसके बाद राहुल गांधी संस्कार गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने दूसरे प्रभावितों से मुलाकात की। सभी को राहुल ने एक लाख और सिंघार ने 50-50 हजार रुपए के चेक दिए। इस दौरान राहुल के साथ पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अजय सिंह भी रहे। दरअसल, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 24 मौतें हुई हैं। आप यहां राजनीति करने आए हैं? इस सवाल के जवाब में राहुल ने कहा– मैं उनको सपोर्ट करने यहां आया हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं। यहां उनका मुद्दा उठाने उनकी मदद करने आया हूं।

राहुल ने मृतक के परिजन को ढांढस बंधाया।

राहुल बोले- इंदौर में लोग पानी पीकर मर रहे, ये अर्बन मॉडल

भागीरथपुरा में मृतकों के परिजन से मिलने के बाद राहुल ने कहा– इनके परिवार में लोगों की डेथ हुई है। लोग बीमार हुए हैं। ये कहा जाता था कि देश को स्मार्ट सिटी दी जाएंगी। ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। लोगों को डराया जा रहा है। सारे के सारे परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। पानी पीकर लोग मरते हैं। ये है अर्बन मॉडल।

राहुल ने कहाझ ये सिर्फ इंदौर में नहीं है। अलगझ अलग शहरों में यही हो रहा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा, जिसने यहां ये काम करवाया है। कोई तो जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। लोगों ने जो इलाज कराया है, मौतें हुई हैं उसके लिए सरकार को मुआवजा तो देना चाहिए। राहुल बोले कि उनको रहवासियों ने बताया कि ये जो टंकी है ये सिंबल है। आज भी साफ पानी नहीं मिल रहा है। बैन लगा दिया है, लेकिन कुछ दिन में हटा दिया जाएगा और फिर वही पानी दिया जाएगा।

ईरान से लौटे भारतीय, दिल्ली एयरपोर्ट पर परिजन से मिलकर रोए

कहा- वहां इंटरनेट नहीं, हालात बदतर, 28 दिसंबर से हिंसा जारी, 3 हजार+ मौतें

वापसी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान में जारी हिंसा के बीच फंसे कई भारतीय नागरिक शुक्रवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। कुछ लोग भारत सरकार की पहल से लौटे, तो कुछ अपने खर्च पर वापस आए। दिल्ली एयरपोर्ट पर परिजन से मिलते ही कई नागरिक फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने बताया कि हिंसा के दौरान ईरान में हालात कैसे बिगड़े। ईरान से लौटे जम्मू-कश्मीर के एक युवक ने कहा, 'वहां हालात बहुत खराब हैं। हिंसक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं।' ईरान से लौटी एक मेडिकल स्टूडेंट ने बताया कि भारतीय दूतावास ने उनसे संपर्क किया था, लेकिन वह निजी फ्लाइट से खुद दिल्ली पहुंची। भारत सरकार ने गुरुवार को एडवाइजरी जारी करके भारतीय नागरिकों से अपने पासपोर्ट, वीजा और अन्य जरूरी दस्तावेज हमेशा अपने पास रखने को कहा था। भारत सरकार के प्रयासों से निजी फ्लाइट के जरिए नागरिक वापस लौटे हैं। ईरान में वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 में प्रदर्शन शुरू हुए थे। देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई है। इसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं। ईरान ने 14 जनवरी को अपना एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। इसके बाद तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द से ईरान छोड़ने की सलाह दी थी। ईरान ने 15 जनवरी अपना एयरस्पेस खोला, जिसके बाद कई भारतीय अपने देश लौटे।

ईरान से लौटे भारतीयों के स्वागत के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर उनके परिवार मौजूद थे।

» (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

इतिहास, संस्कृति और धर्म से खिलवाड़

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जिस तेजी से अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जमीन राम मंदिर बनाने के लिए दे दी गई और फिर वहां राम मंदिर बन भी गया, उससे भाजपा समर्थकों में यह विश्वास और पुख्ता हो गया कि मोदी के रहते हिंदू धर्म सुरक्षित रहेगा और हिंदू जागा रहेगा। हालांकि हिंदू कब सोया हुआ था और धर्म को कब खतरा था, इसका कोई तार्किक जवाब इन समर्थकों के पास नहीं है। क्यों धर्म खतरे में रहता तो देश में हिंदू आबादी बहुसंख्यक नहीं रहती। बहरहाल, भाजपा की धर्म की राजनीति में आम जनता की आस्था उलझ कर रह गई और अब जब धर्म का तरह-तरह से अपमान हो रहा है, तो यह उलझी हुई धार्मिक जनता समझ नहीं पा रही है कि उसे क्या करना चाहिए। अभी तीन-चार तीन पहले नरेन्द्र मोदी शिवजी की तरह डमरू बजाते दिखे, इसके बाद पतंगबाजी का शौक पूरा करने के लिए हनुमानजी को ही पतंग की तरह इस्तेमाल किया। लेकिन हिंदू सोया रहा, उसे अपने आराध्य भगवानों के अपमान पर आपत्ति नहीं हुई। उत्तरप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने हनुमानजी के अपमान के विरोध में लखनऊ में हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहा, तो पुलिस ने उन्हें रोका। हालांकि पाठ फिर भी उन्होंने पूरा किया। लेकिन इसमें कोई हिंदुत्ववादी संगठन अजय राय का साथ देने आगे नहीं आया। जो लोग चर्च या मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा पढ़ते हैं, उन्हें इस बात से तकलीफ नहीं हुई कि मंदिर में किसी को हनुमान चालीसा का पाठ करने से क्यों रोका जा रहा है। धर्म को लेकर यह दोहरा रवैया जाहिर करता है कि भाजपा के लिए धर्म केवल राजनीति में सीढ़ी की तरह इस्तेमाल किया जाता है। आस्था पर पैर रखकर अपमानित करने से भाजपा नेताओं को कोई गुरेज नहीं है। इसी तरह प्राचीन संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों का भी लगातार तिरस्कार भाजपा कर रही है। अभी सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण के हजार साल मनाए गए और नरेन्द्र मोदी ने इसमें कहा कि यह हमारी विजय का प्रतीक है, क्योंकि आक्रमण के बाद भी सोमनाथ को नष्ट नहीं किया जा सका। लेकिन खुद मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मंदिरों, मूर्तियों और घाटों को जीर्णोद्धार के नाम पर बर्बाद किया जा रहा है। इसमें मणिकर्णिका घाट को भी नहीं बख्शा गया, जो हिंदू धर्म के सबसे प्राचीन और सबसे पवित्र श्मशान घाटों में से एक है। मोक्ष की कामना में श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन शायद नरेन्द्र मोदी की नजर में श्रद्धा का कोई मोल नहीं है, उन्हें केवल मुनाफे की भाषा समझ आती है। तभी तो इस पवित्र माने जाने वाले घाट का अविचारित पुनरूद्धार किया जा रहा है। जिसमें पुराने घाटों और मूर्तियों पर बेरहमी से बुलडोजर चला दिया गया और जब इसका विरोध शुरु हुआ तो जिला प्रशासन का जवाब आया कि मूर्तियों को दोबारा लगाने के लिए सुरक्षित रखा गया है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि दीवारों में लगी कुछ कलाकृतियां व मूर्तियां प्रभावित हुई हैं लेकिन उन्हें संस्कृति विभाग द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है और काम पूरा होने के बाद उन्हें उनके मूलरूप में फिर से स्थापित किया जाएगा। लेकिन सवाल यही है कि आखिर इस तरह के कामों में पहले से सावधानी क्यों नहीं बरती गई। जब मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनवाया था, तब भी कई पुरानी मूर्तियां और छोटे मंदिरों को तोड़ा गया था। अब अहिल्याबाई होलकर की लगभग सौ साल पुरानी मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। जबकि इन्हीं देवी अहिल्याबाई होलकर ने मणिकर्णिका घाट का निर्माण करवाया था और कई मंदिरों का संरक्षण भी किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी को घेरते हुए एक पोस्ट में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की तरफ ध्यान दिलाया है और अहम सवाल पूछे हैं। उन्होंने लिखा कि "गुप्त काल में वर्णित जिस मणिकर्णिका घाट का लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने पुनरुद्धार कराया था, उस दुर्लभ प्राचीन धरोहर को आपने पुनरुद्धार के बहाने तुड़वाने का अपराध किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने "भोंडे सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर बनारस के मणिकर्णिका घाट में बुलडोजर चलवाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त कराने" का काम किया है। आप चाहते हैं कि इतिहास की हर धरोहर को मिटाकर बस आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए।" श्री खड़गे ने कहा कि पहले गलियारे के नाम पर छोटे-बड़े मंदिर और देवालय तोड़े गए और अब प्राचीन घाटों की बारी है। दुनिया का प्राचीनतम शहर काशी अध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा और इतिहास का ऐसा संगम है जो पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करता है। क्या इस सब के पीछे फिर से व्यावसायिक मित्रों को फायदा पहुंचाने की मंशा है? जल, जंगल, पहाड़- सब आपने उनके हवाले किए हैं, अब सांस्कृतिक विरासत की बारी आ गई है।" मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री से कहा कि, "देश की जनता के आपसे दो सवाल हैं- 1. क्या जीर्णोद्धार, साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का काम विरासत को सहेज नहीं हो सकता था? पूरे देश को याद है कि संसद परिसर से आपकी सरकार ने किस तरह से महात्मा गांधी एवं बाबासाहेब आंबेडकर समेत भारत की महान हस्तियों की प्रतिमाओं को बिना किसी विचार-विमर्श के एक कोने में रखवा दिया था।" उन्होंने आरोप लगाया कि जलियांवाला बाग स्मारक की दीवारों से इतिहास से हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को इसी पुनरुद्धार के नाम पर मिटाया गया। श्री खड़गे ने दूसरा सवाल करते हुए कहा, "मणिकर्णिका घाट में बुलडोजर का शिकार बनी सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियों पर कुल्हाड़ी चलाकर उन्हें मलबे में क्यों डाला गया।

क्या महाराष्ट्र निकाय चुनावों से उद्धव, पवार फैमिली व कांग्रेस कोई सीख लेंगे

> **राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि परिवारवादी पार्टियों के नेताओं का रवैया और रहन-सहन दूसरी पीढ़ी आते-आते लोगों को खटकने लगता है। बात इतनी ही होती तो शायद गनीमत होती, लेकिन मामला उससे आगे चला गया है।**

महाराष्ट्र में 29 नगर निगम पर चुनाव के नतीजे आ गए। भाजपा -शिवसेना (शिंदे गुट) को प्रचंड जीत मिली है। गठबंधन ने 29 में से 25 नगर निगम पर जीत हासिल की है। भाजपा गठबंधन की प्रचंड लहर के सामने न तो ठाकरे ब्रदर्स (उद्धव-राज) की जोड़ी का जादू चला, न ही पवार परिवार का पावर दिखा। उद्धव का साथ छूटने के बाद कांग्रेस ने चुनाव तो लड़ा, लेकिन गलतियों से सीख लेती नजर नहीं आई। बहरहाल निकाय चुनाव के नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीति की दशा और दिशा पूरी तरह बदल दी है। बीएमसी मेंभाजपा और शिंदे की महायुति ने बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। पिछले तीन दशकों से बीएमसी की सत्ता पर काबिज ठाकरे परिवार का वर्चस्व अब खत्म हो गया है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की जोड़ी भीभाजपा लहर को रोकने में नाकाम रही। इन चुनावों मेंभाजपा मुंबई में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। सीएम देवेंद्र फणवीस की रणनीति ने विपक्षी गठबंधन के हर दांव को पूरी तरह फेल कर दिया है। पवार परिवार भी पस्त नजर आया। यह जीत न केवल मुंबई बल्कि पूरे महाराष्ट्र मेंभाजपा के बढ़ते दबदबे का स्पष्ट संकेत है। मुंबई ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र की 29 नगर निगम में से 23 मेंभाजपा गठबंधन अपना कब्जा जमाने में कामयाब रही। पिछले 30 सालों से बीएमसी पर शिवसेना का एकछत्र राज था, लेकिन इस बार मुंबईकरों ने बदलाव के पक्ष में वोट दिया है। हालांकि, 20 साल के बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे आपसी गिला-शिकवा भुलाकर एक साथ नगर निगम चुनाव लड़ने का फैसला किया ताकि सियासी वर्चस्व को बचाए रखा जा सके। इसके बावजूद वे अपना गढ़ नहीं बचा पाए। उनका 'मराठी अस्मिता' का मुद्दा काम नहीं कर पाया।ठाकरे ब्रदर्स ने आक्रमक तरीके से मराठी मानुष का मुद्दा उठाया, मराठी भाषा और मराठी पहचान की राजनीति को भुनाने की कोशिश की। इस तरह दोनों भाइयों ने कॉमन ग्राउंड पर काफी मशक्कत किया, लेकिनभाजपा और शिंदे की जोड़ी के सामने टिक नहीं सके। मुंबई की जनता ने अब नए नेतृत्व पर अपना भरोसा जताया है। इस तरह ठाकरे ब्रदर्स महाराष्ट्र निकाय चुनाव में पूरी तरह फेल रहे - ना ही मुंबई, ना ही ठाणे, ना ही पुणे-नासिक में कोई करिश्मा दिखा सके। गौरतलब है कि बालासाहेब ठाकरे की विरासत को लेकर दोनों भाई अलग राह पर रहे, लेकिन पार्टी टूटने, शिवसेना नाम और चिन्ह जाने के बाद उद्धव के लिए भावनात्मक सहारा और राजनीतिक मजबूती दोनों का साथ आए। ठाकरे ब्रदर्स का राजनीतिक मिलन राज्य की सबसे बड़ी हेडलाइन बनी। उनके समर्थकों को यह उम्मीद थी कि ठाकरे ब्रांड की मुंबई की राजनीति में वापसी होगी। ऐसा लग रहा था कि ठाकरे ब्रदर्स की जोड़ी बीजेपी-एकनाथ शिंदे (शिवसेना) गुट को बीएमसी चुनाव में कड़ी चुनौती देगा। लेकिन चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि ठाकरे बंधुओं की जोड़ी जनता को भरोसे में नहीं ले सकी, यानी यह प्रयोग राजनीतिक तौर पर असफल रहा। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के भाषण मंच से तो गूंजे लेकिन मतदान केंद्रों तक असर नहीं छोड़ सके।ठाकरे ब्रदर्स की भावनात्मक अपील के साथ-साथ मशीनरी और वार्ड के बूथ स्तर पर मैनेजमेंट पर जोर देना चाहिए था। इस मोर्चे पर वे पीछे रह गए। राज ठाकरे की राजनीति लंबे समय तक मराठी अस्मिता, भाषा विवाद और सांस्कृतिक मुद्दों पर केंद्रित रही है। वहीं उद्धव ठाकरे पिछले कुछ सालों में खुद को मध्यमार्गी और विकासवादी नेता के तौर पर पेश कर रहे थे। राज ठाकरे के ये मुद्दे बड़े चुनावों में भी अपनी साख खो चुके हैं तो बीएमसी के चुनाव में तो असली मुद्दे पानी, सड़क, अस्पताल, स्कूल, ट्रैफिक, ड्रेनेज, बिजली- मुंबई की रोजमर्रा की जिंदगी की समस्याएं होती हैं। वहीं,भाजपा ने अपनी सोशल इंजीनियरिंग और शिंदे के साथ सियासी केमिस्ट्री को बनाए रखा। भावनात्मक राजनीति काम नहीं करती बल्कि लोग आपके परफॉर्मेंस और भरोसेमंद नेतृत्व की उम्मीद में वोट डालते हैं।भाजपा और शिंदे गुट ने इन्हीं मुद्दों पर फोकस किया। ठाकरे गठबंधन ने भी इन मुद्दों पर बात की पर उनका नैरेटिव ज्यादातर पहचान और भावनाओं के आसपास घूमता रहा। ठाकरे बंधुओं के दांव कोभाजपा और शिंदे ने मराठी अस्मिता पर केंद्रित नहीं रहने दिया। इस तरह उनकी सारी कोशिश फेल रहीं। महाराष्ट्र के निगम चुनाव के बीच उद्धव और राज ठाकरे से एक साथ आए तो पवार परिवार भी एकजुट हुआ। शरद पवार ने अपने भतीजे अजित पवार के साथ गठबंधन कर पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम का चुनाव लड़े, ये दोनों ही इलाके एनसीपी के मजबूत गढ़ हुआ करते थे। इसके बाद भी एक भी महानगरपालिका पर विजय हासिल नहीं कर पाए।पुणे और पिंपरी चिंचवड में पवार परिवार ने पूरी ताकत झोंक दी थी। सुप्रिया सुले और अजित पवार एक मंच पर आए थे। शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने भी पुणे और पिंपरी चिंचवड में खूब चुनाव प्रचार किया, लेकिन चुनाव नतीजों में दोनों स्थानों परभाजपा सत्ता हासिल करने में सफल रही। पुणे मेंभाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है तो वहीं दूसरी तरफ एनसीपी का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। बीजेपी की मजबूत घेराबंदी को दादा अजित पवार नहीं तोड़ पाए। पुणे और पिंपरी चिंचवड में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कमांडर के तौर पर केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कमान संभाली थी। मोहोल से अजित पवार का टकराव सामने आया था। अजित पवार की पुणे में करारी शिकस्त इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि वह यहां के प्रभारी मंत्री हैं। एनसीपी के दोनों धड़ों में गठबंधन के बाद चर्चा छिड़ गई थी क्या आगे दोनों पार्टियां एक हो जाएंगी? लेकिन नतीजों ने अजित पवार को ही नहीं बल्कि शरद पवार को भी बड़ा शॉक दे दिया है।पुणे में भाजपा ने 96 सीट जीतीं, जबकि एनसीपी को 20 सीट और एनसीपी (एसपी) को सिर्फ तीन सीट ही मिल सकीं। पिंपरी चिंचवड मेंभाजपा ने 84 सीट जीतीं, जबकि एनसीपी दूसरे स्थान पर रही और उसे 37 सीटें ही मिलीं। शरद पवार की पार्टी का खाता तक नहीं खुल सका। भाजपा की मजबूत व्यूहरचना को अजित पवार नहीं तोड़ पाए। पश्चिम महाराष्ट्र के इस क्षेत्र में पवार परिवार का गढ़ बारामती है, जिसका सर्वाधिक प्रभाव पुणे और पिंपरी चिंचवड में माना जाता है। एनसीपी पहले दोनों जगह सत्ता में रह चुके है, लेकिनभाजपा के पस्त हो गई। फ़िलहाल ठाकरे ब्रदर्स और पवार परिवार की महाराष्ट्र में हार देश के सियासी परिवारों के लिए एक सबक है। बिहार चुनाव में पहले ही लालू यादव की विरासत संभाल रहे तेजस्वी यादवभाजपा के मात खा चुके हैं, लेकिन ये सबक अखिलेश यादव से लेकर एमके स्टालिन और अभिषेक बनर्जी के लिए किसी सबक से कम नहीं है। विरासत की सियासत और भवानात्मक राजनीति के जरिए लंबी सियासी पारी नहीं खेली जा सकती है। भाजपा से मुकाबला करना आसान नहीं है। करीब आठ साल तक कांग्रेस मुक्त भारत अभियान चलाने के बादभाजपा ने अपनी सियासी रणनीति में बदलाव किया।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या हकीकत में दिग्विजय सिंह का राज्यसभा से मोहभंग हो गया है या कराया गया है?

दिग्विजय सिंह अब राज्यसभा नहीं जाएंगे। मध्य प्रदेश की सियासत के 'चाणक्य' कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ने अचानक यह ऐलान करके सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। दिग्विजय सिंह का मौजूदा कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है लेकिन इससे पहले ही उनके पीछे हटने की घोषणा ने दिल्ली से भोपाल तक कांग्रेस के भीतर चर्चाओं का दौर शुरू कर दिया है। सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई कि दिग्विजय सिंह का अचानक राज्यसभा से मोहभंग क्यों हुआ? वहीं यह सवाल भी उठने लगा कि दिग्विजय सिंह की जगह अब एमपी से कांग्रेस किसे राज्यसभा भेजेगी। दरअसल पार्टी सूत्रों के मुताबिक, दिग्विजय सिंह का यह फैसला कोई व्यक्तिगत नहीं बल्कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की रणनीतिक सोच का हिस्सा बताया जा रहा है। यह कदम कांग्रेस के उस नए राजनीतिक रोडमैप से जुड़ा माना जा रहा है जिसे राहुल गांधी पिछले कुछ वर्षों से लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी नेतृत्व का फोकस अब केवल संसद के भीतर आक्रामक विपक्षी भूमिका निभाने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि संगठन को जमीनी स्तर पर फिर से खड़ा करना प्राथमिकता बन चुका है। इसी सोच के तहत कांग्रेस के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों में लगाने और युवा नेताओं को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम हो रहा है। माना जा रहा है कि दिग्विजय सिंह को भी इसी रणनीति के तहत राज्यसभा की भूमिका से मुक्त कर दोबारा मैदान में उतारने की तैयारी है। जानकारों के अनुसार पार्टी दिग्विजय सिंह को एक बार फिर मध्य प्रदेश में बड़े संगठनात्मक मिशन की जिम्मेदारी सौंप सकती है। 2017-18 में की गई उनकी 3300 किलोमीटर लंबी नर्मदा परिक्रमा आज भी कांग्रेस के लिए एक मजबूत राजनीतिक प्रतीक मानी जाती है। उस परिक्रमा ने न सिर्फ कार्यकर्ताओं में जान फूंकी थी, बल्कि 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को वैचारिक और भावनात्मक बढ़त भी दिलाई थी। अब चर्चा है कि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले एक और नर्मदा परिक्रमा या इसी तरह का कोई बड़ा जनसंपर्क अभियान दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कराया जा सकता है, ताकि बिखरे संगठन को जोड़ा जा सके और युवा कार्यकर्ताओं को दिशा दी जा सके। इस बीच दिग्विजय सिंह के फैसले के बाद कांग्रेस के भीतर सामाजिक संतुलन की बहस भी तेज हो गई है। अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने खुलकर मांग रखी है कि राज्यसभा में इस बार दलित समाज को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उनका तर्क है कि मध्य प्रदेश की करीब 17 फीसदी अनुसूचित जाति आबादी की यह लंबे समय से अपेक्षा रही है। हालांकि इस मांग पर दिग्विजय सिंह ने साफ कर दिया कि टिकट का फैसला उनके हाथ में नहीं है लेकिन यह जरूर तय है कि वे अपनी सीट खाली कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह के हटने के साथ ही कांग्रेस की एकमात्र सुरक्षित मानी जा रही राज्यसभा सीट अब सियासी मुकाबले का केंद्र बन गई है। पार्टी के भीतर कई बड़े नामों की चर्चा शुरू हो चुकी है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में लॉबिंग और समीकरण तेज होंगे। सबसे चर्चित नाम पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का है। समय-समय पर यह संकेत मिलते रहे हैं कि वे एक बार फिर केंद्र की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के इच्छुक हैं। अगर कमलनाथ राज्यसभा की रेस में उतरते हैं, तो उनके राजनीतिक कद और अनुभव के चलते बाकी दावेदारों की राह आसान नहीं रहेगी। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का नाम भी मजबूती से उभर रहा है। विधानसभा में मुखर भूमिका, सड़क से सदन तक सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख और संगठन पर पकड़ उन्हें युवा नेतृत्व के चेहरे के तौर पर पेश करती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व पीसीसी चीफ अरुण यादव भी इस दौड़ में शामिल माने जा रहे हैं, जबकि पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह के नाम पर भी चर्चा है, जो लंबे समय से किसी बड़ी जिम्मेदारी की प्रतीक्षा में बताए जाते हैं। मध्यप्रदेश से राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं जिनमें से आठ पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है। 2026 में तीन सीटें खाली हो रही हैं, लेकिन मौजूदा संख्या बल को देखते हुए कांग्रेस के लिए फिलहाल सिर्फ एक सीट ही सुरक्षित मानी जा रही है। ऐसे में दावेदारी की लड़ाई और भी दिलचस्प हो गई है, क्योंकि हर बड़ा नेता जानता है कि मौका एक ही है और दावेदार कई। राज्यसभा में अपने कार्यकाल के दौरान दिग्विजय सिंह भाजपा और आरएसएस के खिलाफ वैचारिक हमलों के लिए जाने जाते रहे हैं। उनकी मुखरता ने उन्हें सेक्युलर और प्रगतिशील तबकों में लोकप्रिय बनाया लेकिन साथ ही वे कई विवादों के केंद्र में भी रहे। हाल के दिनों में जब उन्होंने भाजपा-आरएसएस के संगठनात्मक ढांचे की तारीफ की और कांग्रेस में विकेंद्रीकरण की जरूरत बताई, तो सियासी हलकों में इसे भी उनके नए रोल की भूमिका के तौर पर देखा गया। यह भी कयास लगाये गये कि क्या शशि थरूर थरूर की तरह दिग्विजय सिंह का भी कांग्रेस से मन भर गया है। कुल मिलाकर दिग्विजय सिंह का राज्यसभा से हटना कांग्रेस की बदलती रणनीति, पीढ़ीगत बदलाव और मध्य प्रदेश में संगठन को दोबारा मजबूत करने की कोशिश का हिस्सा माना जा रहा है। इसमें वास्तविकता कितनी है।

सरकारी श्रम ...

अरुण कुमार डनायक

भारत में श्रमिक आंदोलन से गिग वर्कर्स तक : हड़ताल, शक्ति और जनसमर्थन का क्षय

भारतीय रेल में 1974 की ऐतिहासिक हड़ताल जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में हुई। लगभग 17 लाख कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, बोनस, आठ घंटे की ड्यूटी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग की। सरकार की कड़ी दमनात्मक कार्रवाई के बावजूद यह हड़ताल भारतीय राजनीति और श्रमिक इतिहास की एक युगांतकारी घटना बनी और आगे चलकर आपातकाल की पृष्ठभूमि भी तैयार की। हाल के दिनों में गिग वर्कर्स की दो दिवसीय हड़ताल चर्चा में रही। ऐप आधारित डिलीवरी और कैब सेवाओं में लगे ये युवा कठिन परिस्थितियों में असंभव को संभव बनाते हुए शहरी जीवन की गति को थामे रखते हैं। औपचारिक रूप से उन्हें 'स्वतंत्र ठेकेदार' कहा जाता है, किंतु व्यवहार में वे कंपनियों के एल्गोरिथ्मिक नियंत्रण और ग्राहकों के निरंतर दबाव के बीच जीवनयापन करने को विवश हैं। इसके बावजूद आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में श्रमिकों की वास्तविक स्थिति, उनके संघर्ष के मौलिक अधिकार और हड़ताल की लगातार कमजोर होती क्षमता पर प्रिंट और डिजिटल मीडिया का अपेक्षित ध्यान नहीं गया। हमेशा की तरह इस हड़ताल को भी शीघ्र 'असफल' घोषित कर दिया गया, जबकि ऐसे आंदोलनों का महत्व केवल तात्कालिक परिणामों में नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतावनी में निहित होता है जिसे वे समय-समय पर समाज और राज्य के सामने रखते हैं। भारत में श्रमिक आंदोलन का इतिहास समृद्ध और निर्णायक रहा है। स्वतंत्र भारत के शुरुआती दशकों में सार्वजनिक क्षेत्र, बैंक, रेलवे और बड़े निजी उद्योगों में संगठित आंदोलन न केवल वेतन और सेवा शर्तों में सुधार लाए, बल्कि औद्योगिक संबंधों की दिशा भी निर्धारित की। 23 सितंबर 1954 को ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के आह्वान पर भारत में पहली अखिल भारतीय बैंक हड़ताल हुई। इसका मुख्य कारण केंद्र सरकार का लेबर अपीलीय न्यायाधिकरण (शास्त्री अवार्ड) के वेतन निर्णय में हस्तक्षेप करने का प्रयास था, जिससे कर्मचारियों को लगा कि सामूहिक सौदेबाजी और संस्थागत न्याय कमजोर किया जा रहा है। इस असहमति के चलते तत्कालीन श्रम मंत्री वी. वी. गिरी ने इस्तीफा दे दिया। यह घटना न्यायिक निर्णयों और श्रमिक हितों के बीच संतुलन की आवश्यकता और भारतीय श्रमिक आंदोलन में संस्थागत स्वतंत्रता और सामूहिक संघर्ष की महत्वता को दर्शाती है। इसके बाद 1960 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हड़ताल ने वेतन, पदोन्नति और सेवाशर्तों में सुधार कर बैंकिंग यूनियनों को निर्णायक शक्ति दी और देसाई अवार्ड को प्रेरित किया। भारतीय रेल में 1974 की ऐतिहासिक हड़ताल जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में हुई। लगभग 17 लाख कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, बोनस, आठ घंटे की ड्यूटी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग की। सरकार की कड़ी दमनात्मक कार्रवाई के बावजूद यह हड़ताल भारतीय राजनीति और श्रमिक इतिहास की एक युगांतकारी घटना बनी और आगे चलकर आपातकाल की पृष्ठभूमि भी तैयार की। मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्रित्व के समय कोयल मजदूरों की हड़ताल सरकारी दमन और राजनीतिक समर्थन के अभाव का शिकार हुई। निजी क्षेत्र में श्रमिक संघर्ष अपेक्षाकृत असुरक्षित रहे हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ घनश्याम बादल

विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है जहाँ से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की आठ धर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियाँ उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन अब केवल आर्थिक शिकायतों तक सीमित नहीं हैं। महंगाई, बेरोज़गारी और गिरती जीवन-स्तर की पीड़ा ने जिस असंतोष को जन्म दिया है, ईरान में जिस गति से महंगाई बढ़ी है उससे वहां के लोगों का जीना मुहाल हो गया है, ईरानी मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले रसातल में जा चुकी है । अब तो विद्रोहियों के समर्थन में उमड़ना हुआ जन सैलाबसीधे-सीधे शासन व्यवस्था की वैधता पर सवाल बन चुका है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद यह पहली बार है जब ईरान का धर्मतंत्र जनता के इतने बड़े हिस्से से वैचारिक रूप से कटता हुआ दिखाई देता है। महिलाओं, युवाओं, छात्रों और शहरी मध्यम वर्ग की भागीदारी ने इन प्रदर्शनों को साधारण विरोध से कहीं आगे पहुँचा दिया है और एक तरह से सीरिया जैसे हालातो की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। जहां सरकार विरोधी विद्रोही हिंसा एवं आगजनी पर उतरे हुए हैं तथा सरकार के तख्त पलट के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं वहीं सरकार की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर से कठोरता होती जा रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट, सामूहिक गिरफ्तारियाँ, सुरक्षा बलों की गोलीबारी और मृत्युदंड ये सब संकेत देते हैं कि ईरान में खामनेई सत्ता पर किसी भी कीमत पर नियंत्रण छोड़ने को तैयार नहीं हैं। हालांकि ईरानी नेतृत्व इसे विदेशी साजिश करार देता है, लेकिन यह तर्क अब घरेलू स्तर पर भी असर खोता जा रहा है। सवाल यह नहीं कि विरोध क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था उन्हें

लंबे समय तक दबा पाएगी? आंतरिक उथल-पुथल के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर ख़तरनाक ऊँचाई पर पहुँच गया है। अमेरिका मानवाधिकार उल्लंघनों और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आधार बनाकर लगातार दबाव बना रहा है। प्रतिबंधों का नया दौर, सैन्य चेतावनियाँ और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नौसैनिक तैनाती इस बात का संकेत हैं कि वाशिंगटन 'देखो और इंतजार करो' की नीति से आगे बढ़ने का विकल्प खुला रखे हुए है। हालाँकि, यह समझना ज़रूरी है कि अमेरिका भी पूर्ण युद्ध नहीं चाहता। इसकी वज़ह वाशिंगटन की उदारता या शांतिप्रियता नहीं अपितु यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच एक और बड़े युद्ध का बोझ उठाना वाशिंगटन के लिए आसान नहीं होगा। यही कारण है कि अमेरिका की रणनीति फिलहाल सीमित सैन्य कार्रवाई, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक धमकियों तक सिमटी दिखती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध अक्सर योजनाओं से नहीं, दुर्घटनाओं से शुरू होते हैं। यह तो तय है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो उसके प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। ईरान के लिए इसका अर्थ होगा— तेल रिफाइनरियों, सैन्य ठिकानों और परमाणु संयंत्रों पर हमले, अर्थव्यवस्था का लगभग ठप हो जाना और संभवतः गृहयुद्ध जैसी स्थिति। बेशक सबसे भारी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी, जिनके लिए शांति पहले ही दुर्लभ हो चुकी है। अमेरिका के लिए यह युद्ध सैन्य रूप से भले ही नियंत्रित रहे लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक रूप से महँगा साबित होगा। मध्य-पूर्व में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे प्रतिशोध के निशाने पर होंगे। घरेलू स्तर पर युद्ध-विरोधी माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की 'नैतिक नेतृत्व' वाली छवि को और भी ज़्यादा झटका लगेगा। इससे भी अहम बात यह है कि अमेरिका का ध्यान एशिया-प्रशांत क्षेत्र से हटेगा, जो उसके दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के विपरीत है। वैश्विक स्तर पर इसका सबसे तात्कालिक असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा। होरमुज़ जलडमरूमध्य में जरा-सी अस्थिरता भी तेल की कीमतों को 120–150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँचा सकती है। इसका सीधा अर्थ है— वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और विकासशील देशों पर असहनीय दबाव। यूरोप, जो पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, सबसे अधिक प्रभावित होगा। इस परिदृश्य में चीन और रूस की भूमिका भी समझना ज़रूरी है। दोनों ही देश ईरान के संकट को अपने-अपने रणनीतिक लाभ के रूप में देख रहे हैं। चीन अमेरिका को मध्य-पूर्व में उलझा देखना चाहता है ताकि एशिया में उसकी पकड़ ढीली पड़े। रूस के लिए यह पश्चिमी एकता को कमजोर करने और ऊर्जा कीमतों से लाभ उठाने का अवसर है। लेकिन चीन या रूस कोई भी ईरान के लिए अमेरिका से सीधा युद्ध लड़ने को तैयार नहीं है। ईरान उनके लिए साझेदार कम, रणनीतिक साधन अधिक है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का सबब है। तेल आयात पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगाई का सीधा असर पड़ेगा। रुपये पर दबाव बढ़ेगा, शेयर बाजारों में अस्थिरता आएगी और खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा एक गंभीर प्रश्न बन जाएगी। साथ ही, ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान संपर्क जैसी रणनीतिक परियोजनाएँ भी प्रभावित होंगी। हालाँकि, संकट के बीच अवसर भी छिपे होते हैं। भारत की संतुलित और स्वायत्त विदेश नीति उसे एक संभावित मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि भारत किसी भी खेमे में खड़ा होने की जल्दबाज़ी न करे।

अस्तु,, ईरान का संकट केवल एक देश की संप्रभुता एवं संकट की कहानी नहीं उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है जहाँ दमन, असमानता और शक्ति-राजनीति मिलकर अस्थिरता को जन्म देती हैं। युद्ध शायद अभी टल सकता है, लेकिन उसके बीज बोए जा चुके हैं। सवाल यह नहीं कि दुनिया इस आग को देख रही है या नहीं, सवाल यह है कि क्या वह इसे फैलने से रोकने के लिए समय रहते कुछ करेगी।

यहां गंदे पानी से अब तक 24 मौतें हुई, बीसीसीआई ने शेफ भी भेजा

इंदौर आए गिल 3 लाख का वाटर प्यूरीफायर साथ लाए

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए टीम इंडिया इंदौर पहुंच चुकी है। कप्तान शुभमन गिल अपने साथ करीब तीन लाख रुपए की एक विशेष वॉटर प्यूरीफिकेशन मशीन लेकर इंदौर आए हैं। हमारे सहयोगी अखबार के मुताबिक, होटल से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह मशीन आरओ और पैक्ड बोतलबंद पानी को भी दोबारा पूरी तरह शुद्ध करने में सक्षम है। शुभमन गिल ने इस मशीन को अपने कमरे में ही रखवाया है। होटल स्टाफ को भी इसके इस्तेमाल और तकनीक से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि गिल ने यह कदम इंदौर में हाल ही में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को देखते हुए एहतियात के तौर पर उठाया है या इसके पीछे कोई और वजह है। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

इंदौर पहुंचने के बाद भारतीय टीम होटल में जाती हुई।

टीम के साथ बीसीसीआई ने शेफ भी भेजे हैं

खिलाड़ियों की फिटनेस और डाइट को ध्यान में रखते हुए BCCI ने टीम के साथ स्पेशल शेफ भी भेजे हैं। शेफ हर खिलाड़ी की जरूरत के अनुसार भोजन तैयार कर रहा है। शुक्रवार को भारतीय टीम ने आराम किया, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने प्रैक्टिस की। शनिवार को टीम इंडिया भी अभ्यास करेगी।

न्यूजीलैंड टीम ने शुक्रवार को इंदौर में आखिरी वनडे मुकाबले से पहले प्रैक्टिस की।

विराट की डाइट में हरी ग्रिल्ड सब्जियां, स्प्राउट्स और सूप

विराट कोहली की डाइट में उबला और स्टीम्ड खाना शामिल रहता है। उनके नाश्ते में स्प्राउट, नींबू के साथ ग्रीन टी और खाने में हरी ग्रील्ड सब्जियां, दाल, रायता और सूप शामिल होता है। रोहित शर्मा की डाइट में बादाम, स्प्राउट, ओट्स, फ्रूट, पनीर, सब्जी, दाल और चावल शामिल रहता है। इसके साथ ही अन्य खिलाड़ी भोजन में चिकन, मछली, अंडे, ब्राउन राइस, दालें, नट्स के साथ हाइड्रेट रहने के लिए नारियल पानी और ग्रीन टी लेते हैं।

श्रेयस अय्यर की 25 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

नई दिल्ली। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर की 25 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। उन्हें चोटिल तिलक वर्मा की जगह मौका दिया गया है। शुक्रवार को BCCI ने न्यूजीलैंड के भारत दौरे के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों की घोषणा की। 31 साल के श्रेयस अय्यर के अलावा रवि बिश्नोई को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्हें चोट के कारण बाहर हुए वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में जगह मिली है। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर को पहले 3 मैचों के लिए ही टी-20 टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस पिछले साल 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में चोटिल हो गए थे। उन्होंने 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से ही इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की है। श्रेयस अय्यर ने पिछला टी-20 मैच दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उन्होंने 37 बॉल पर 53 रनों की पारी खेली थी। भारत ने इस मैच को 6 विकेट से जीता था।

कोहली और कुलदीप ने महाकाल के दर्शन किए

तिलक लगाकर नंदी हॉल में जाप करते नजर आए

उज्जैन, एजेंसी

भारत-न्यूजीलैंड के बीच इंदौर में खेले जाने वाले मैच से पहले विराट कोहली और कुलदीप यादव उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। दोनों ने त्रिपुंड (तिलक) लगवाया। इसके बाद भस्म आरती में शामिल हुए। मैच रविवार को होलकर स्टेडियम में होना है। विराट और कुलदीप शनिवार सुबह करीब 4 बजे भस्म आरती के लिए महाकाल मंदिर पहुंचे। दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर आरती देखी। इस दौरान वे जाप करते नजर आए। भस्म आरती के बाद विराट और कुलदीप ने भगवान को जल अर्पित किया। फिर नंदी जी का पूजन अर्चन कर भगवान महाकाल के देहरी से दर्शन किए। इस मौके पर महाकाल मंदिर समिति की ओर से दोनों का सम्मान किया गया कुलदीप यादव ने कहा कि महाकाल मंदिर आकर बहुत अच्छा लगा। क्रिकेट के साथ-साथ अपनी लाइफ में भी अच्छा करते रहें, भगवान महाकाल का आशीर्वाद सब पर बना रहे बस यही मांगा है।

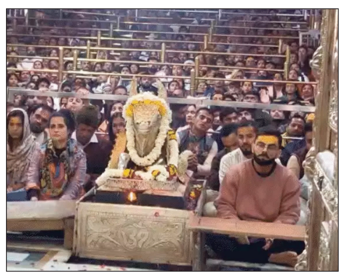

- विराट के साथ कुलदीप यादव भी भस्म आरती में शामिल हुए।
- नंदी हॉल में बैठकर विराट कोहली ने ध्यान लगाया।
- विराट और कुलदीप नंदी हाल में बैठकर ध्यान लगाते नजर आए।

फास्ट न्यूज

मस्क की एक्स गर्लफ्रेंड ने ग्रोक पर केस किया

न्यूयॉर्क। टेस्ला और X (पहले ट्विटर) के मालिक इलॉन मस्क के बच्चों में से एक की मां एश्ले सेंट क्लेयर ने xAI कंपनी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। राइटर और पॉलिटिकल स्ट्रैटेजिस्ट 27 साल की एश्ले सेंट क्लेयर ने गुरुवार को न्यूयॉर्क सिटी की स्टेट सुप्रीम कोर्ट में यह मुकदमा दायर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रोक से बनाई गई फोटो में उनकी 14 साल की उम्र की एक पुरानी फोटो को बदला। इसमें उन्हें बिकिनी पहने दिखाया गया।

बजट के दिन रविवार को भी खुलेगा शेयर बाजार

मुंबई। 1 फरवरी, 2026 को रविवार होने के बावजूद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा। एक्सचेंजों ने शनिवार, 17 जनवरी को सर्कुलर जारी कर इसकी आधिकारिक घोषणा की है। सरकार के निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया है ताकि बजट घोषणाओं पर निवेशक रियल-टाइम में रिएक्ट कर सकें। यह पिछले 9 सालों में पहला मौका होगा जब केंद्रीय बजट के लिए शेयर बाजार रविवार को खुलेगा। इससे पहले साल 2017 में भी 1 फरवरी को रविवार था और तब भी मार्केट में ट्रेडिंग हुई थी। आमतौर पर शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहता है, लेकिन बजट जैसी बड़ी आर्थिक घटनाओं के लिए एक्सचेंज 'स्पेशल ट्रेडिंग डे' घोषित करते हैं।

242 अवैध ऑनलाइन गेमिंग लिंक्स ब्लॉक

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार (16 जनवरी) को देश में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी 242 वेबसाइट्स के लिंक्स ब्लॉक करने के आदेश दिए हैं। 'ऑनलाइन गेमिंग एक्ट' बनने के बाद ये सरकार की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। यह कदम युवाओं को वित्तीय और सामाजिक नुकसान से बचाने के लिए उठाया गया है। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट संसद में पास होने के बाद से प्रवर्तन कार्रवाइयों में भारी तेजी आई है।

बॉलीवुड सिंगर बी प्राक को लॉरेंस गैंग की धमकी

10 करोड़ फिरौती मांगी, वॉयस मैसेज में कहा- चाहे किसी कंट्री में जाए

मोहाली/जालंधर, एजेंसी

पंजाब में मोहाली के रहने वाले बॉलीवुड सिंगर बी प्राक से लॉरेंस गैंग ने 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। इसके लिए एक हफ्ते का टाइम दिया गया है। लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर आरजू बिश्नोई ने सिंगर के करीबी को धमकी भरा वॉयस मैसेज भेजा है। जिसमें कहा गया कि अगर रकम न मिली और हमारे साथ मिलकर न चले तो चाहे किसी भी कंट्री में चले जाओ, मिट्टी में मिला देंगे। जिसके बाद बी प्राक के करीबी पंजाबी सिंगर दिलनूर ने मोहाली के SSP को इसकी शिकायत की है। जिसमें दिलनूर ने कहा कि धमकी की वजह से वह घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। पुलिस गैंग पर कार्रवाई कर उन्हें सिक्योरिटी दे। उन्हें जान का खतरा बना हुआ है। दिलनूर की शिकायत पर पंजाब पुलिस के मोहाली स्थित साइबर क्राइम ब्रांच ने इसकी जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा सिंगर बी प्राक की सिक्योरिटी को लेकर पुलिस भी अलर्ट पर है। बता दें कि बी प्राक तेरी मिट्टी में मिल जावां गीत से खूब हिट हुए थे। बी प्राक का जन्म 7 फरवरी 1986 को चंडीगढ़ के एक सिख परिवार में हुआ। उनके पिता स्व. वरिंदर बच्चन जाने-माने संगीतकार रहे हैं। बी प्राक ने बचपन में पिता से ही संगीत की बारीकियां सीखीं। बी प्राक कई बार इंटरव्यू में बता चुके हैं कि वह बचपन से सिंगर बनना चाहते थे, लेकिन उनके पिता चाहते थे कि वे म्यूजिक डायरेक्टर बनें।

तमन्ना के आइटम नंबर 'आज की रात' ने बनाया रिकॉर्ड

यूट्यूब पर गाने को 100 करोड़ व्यूज मिले, उपलब्धि पर एक्ट्रेस ने जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के आइटम सॉन्ग 'आज की रात' ने यूट्यूब पर 1 बिलियन यानी 100 करोड़ व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि पर तमन्ना ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने गाने की शूटिंग के कुछ वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा,पहले व्यू से लेकर 1 बिलियन व्यूज तक। आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया। तमन्ना के इस डांस नंबर से पहले कई भारतीय गानों ने यूट्यूब पर 100 करोड़ से अधिक व्यूज हासिल किए हैं। तमन्ना भाटिया के गानों में एनर्जी, ग्रेस और स्टाइल का बेहतरीन मिश्रण होता है। उनके डांस नंबर दर्शकों के बीच हमेशा चर्चा का विषय रहते हैं। 'आज की रात' गाने में मधुबंती बागची और दिव्या कुमार की आवाज है, गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है और म्यूजिक सचिन-जिगर ने दिया है। यह गाना अपने शानदार डांस मूव्स, म्यूजिक और तमन्ना की ऊर्जा के लिए दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। यह उपलब्धि उनके फैंस के लिए गर्व का पल है और इंडस्ट्री में उनकी लोकप्रियता का सबूत भी है।

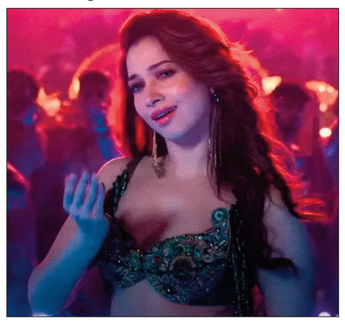

गाने में तमन्ना की धमाकेदार परफॉर्मेंस

शेयर किए गए वीडियो क्लिप में तमन्ना कोरियोग्राफर विजय गांगुली और टीम के अन्य सदस्यों के साथ नजर आ रही हैं। दूसरे और तीसरे क्लिप में वह अपने शानदार डांस मूव्स और एनर्जी के साथ परफॉर्म करती दिखाई देती हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सफलता का संकेत

यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज हासिल करना किसी भी गाने या कलाकार के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। यह दर्शाता है कि गाना न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है।

फिल्म इंडस्ट्री में तमन्ना के डांस नंबर हमेशा दर्शकों के बीच चर्चा का विषय रहे हैं। उनके गानों में एनर्जी, ग्रेस और स्टाइल का मेल होता है, जो उन्हें दर्शकों की पसंदीदा डांसर बनाता है। इस नई उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि तमन्ना न केवल बॉलीवुड में अपनी जगह बना चुकी हैं बल्कि उनके गाने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी दर्शकों के दिलों में खास जगह रखते हैं। यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज हासिल करना किसी भी गाने या कलाकार के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। यह दर्शाता है कि गाने ने सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है।

ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध किया तो टैरिफ लगाएंगे, कनाडाई पीएम बोले- हर हाल में ग्रीनलैंड के साथ

ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों को धमकी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने को लेकर खुली धमकी दी है। BBC के मुताबिक, उन्होंने कहा कि अगर किसी देश ने ग्रीनलैंड पर कब्जे वाले प्लान में उनका साथ नहीं दिया तो वे उन देशों पर टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान यह बयान दिया। हालांकि, उन्होंने साफ नहीं किया कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाएगा और इसके लिए वह किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। दूसरी ओर कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को कहा कि ग्रीनलैंड के मालिकाना हक का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नहीं है। NATO देश होने के नाते ग्रीनलैंड के तरफ हमारी जिम्मेदारी बरकरार है। उन्होंने कहा, "ग्रीनलैंड का भविष्य ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लोगों का फैसला है।" कार्नी ने नाटो सहयोगियों, खासकर अमेरिका से कहा कि वे अपने वादों का सम्मान करें। ट्रम्प अपने दूसरे टर्म में टैरिफ की धमकियां दे रहे हैं। इसके जरिए वे जियोपॉलिटिकल मुद्दों, जैसे जंग रोकना, क्षेत्रीय नियंत्रण, या राष्ट्रीय सुरक्षा को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये धमकियां अक्सर नेगोशिएशन या दबाव बनाने के लिए दी जाती हैं। ट्रम्प ने अब तक कई मौकों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने (खरीदने या कब्जा करने) की बात 2019 से ही कर रहे हैं। उनके दूसरे कार्यकाल में यह मुद्दा फिर से बहुत जोर पकड़ गया है। लेकिन कानूनी रूप से यह इतना आसान नहीं है।

ट्रम्प बोले- गोल्डन डोम प्रोजेक्ट के लिए ग्रीनलैंड जरूरी

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को गोल्डन डोम नामक बड़े रक्षा प्रोजेक्ट के लिए भी अहम बताया है। गोल्डन डोम अमेरिका का मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट है। यह इजराइल के आयरन डोम से प्रेरित है। गोल्डन डोम का मकसद चीन, रूस जैसे देशों से आने वाले खतरे से अमेरिका को बचाना है। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर NATO से भी बातचीत कर रहा है। ट्रम्प पहले भी कह चुके हैं कि NATO को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अमेरिकी संसद की टीम ग्रीनलैंड पहुंची

टीम का मकसद स्थानीय लोगों की बात सुनना और वॉशिंगटन में तनाव कम करना है। सीनेटर कून्स ने कहा, 'हम ग्रीनलैंड के लोगों की सुन रहे हैं और उनकी राय लेकर वापस जाएंगे, ताकि स्थिति शांत हो।' ग्रीनलैंड की सांसद आजा चेमनित्ज ने कहा, 'हमें दोस्तों और सहयोगियों की जरूरत है। अमेरिका 2019 से दबाव बना रहा है। यह एक लंबी दौड़ है, जो अभी खत्म नहीं हुई। जितना ज्यादा समर्थन मिले, उतना अच्छा।

> ट्रम्प के बयान के वक्त अमेरिकी संसद का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ग्रीनलैंड के दौरे पर था। इस 11 सदस्यीय टीम का नेतृत्व डेमोक्रेट सीनेटर क्रिस कून्स कर रहे हैं। इसमें रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस और लिसा मर्कोव्स्की भी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रीनलैंड के सांसदों के अलावा डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन से मुलाकात की।

अमेरिका की हिदायत : मेक्सिको के ऊपर उड़ते समय सावधान रहे

पिछले हफ्ते ड्रग कार्टेल को लेकर हमले की धमकी दी थी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने शुक्रवार को अपनी एयरलाइंस के लिए चेतावनी जारी की। इसमें कहा गया है कि वे मेक्सिको, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों के ऊपर उड़ान भरते समय सतर्क रहें। यह चेतावनी संभावित सैन्य गतिविधियों और जीपीएस सिग्नल में रुकावट के खतरे के कारण दी गई है। FAA ने मेक्सिको, मध्य अमेरिकी देशों, इक्वाडोर, कोलंबिया और पूर्वी प्रशांत महासागर के कुछ हवाई क्षेत्रों के लिए नोटिस टू एयरमेन (NOTAM) जारी किए हैं। ये चेतावनियां 16 जनवरी 2026 से शुरू होकर 60 दिनों तक, यानी मार्च 2027 तक प्रभावी रहेंगी। मेक्सिको सरकार ने FAA की इस चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह सिर्फ एक सावधानी है। इससे मेक्सिको की हवाई सीमा या वहां की एयरलाइंस पर कोई पाबंदी नहीं लगी है।

यह नोटिस केवल अमेरिकी ऑपरेटरों (एयरलाइंस) पर लागू होता है और मेक्सिको में उड़ानें सामान्य रूप से जारी रहेंगी। ट्रम्प ने 8 जनवरी को कहा था कि मेक्सिको में ड्रग कार्टेल देश चला रहे हैं और अमेरिका इनके खिलाफ जमीन पर हमले कर सकता है। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 8 जनवरी को कहा था कि उनका प्रशासन जल्द ही जमीन पर मौजूद ड्रग कार्टेल को निशाना बनाने के लिए कार्रवाई शुरू करेगा। ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में दावा किया कि मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है।

यूपीआई से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा

इससे जरूरत के समय तुरंत पैसा मिल सकेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के करीब 8 करोड़ सब्सक्राइबर्स को UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) से PF का पैसा निकालने की सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार एक ऐसा सिस्टम तैयार कर रही है जिससे PF मेंबर्स सीधे UPI के जरिए अपना पैसा निकाल सकेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्रालय इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है और इसे अप्रैल 2026 तक रोलआउट करने का लक्ष्य रखा गया है। इस सुविधा के शुरू होने से क्लेम सेटलमेंट की लंबी प्रक्रिया खत्म हो जाएगी और मेंबर्स को तुरंत फंड मिल सकेगा। PTI की रिपोर्ट के अनुसार नए सिस्टम में ईपीएफ फंड का एक हिस्सा 'फ्रीज' (सुरक्षित) रखा जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा मेंबर्स के लिए उपलब्ध रहेगा। मेंबर्स अपने बैंक अकाउंट से लिंक्ड UPI पिन का इस्तेमाल करके इस पैसे को सीधे अपने खाते में ट्रांसफर कर सकेंगे। एक बार पैसा बैंक अकाउंट में आने के बाद, यूजर उसे एटीएम से निकाल सकता है या डिजिटल पेमेंट के लिए इस्तेमाल कर सकता है। अभी पीएफ निकालने के लिए मेंबर्स को ऑनलाइन या ऑफलाइन क्लेम फॉर्म भरना पड़ता है, जिसमें काफी समय लगता है। हालांकि ईपीएफओ ने ऑटो-सेटलमेंट मोड शुरू किया है, लेकिन इसमें भी कम से कम 3 दिन का समय लगता है। सूत्रों के मुताबिक, ईपीएफओ अभी सॉफ्टवेयर से जुड़ी कुछ तकनीकी दिक्कतों को दूर करने में जुटा है।

बढ़त : सोना ₹4,471 महंगा होकर ₹1.41 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, देखें अपने शहर के सोने के दाम

चांदी इस हफ्ते ₹39,082 बढ़कर ₹2.82 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही। सोना 4,471 रुपए बढ़कर 1,41,593 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 9 जनवरी, शुक्रवार को 1,37,122 रुपए पर था। वहीं चांदी 2,42,808 किलो से बढ़कर 2,81,890 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 39,082 रुपए बढ़ी है। अमेरिकी कंपनियां चांदी का भारी स्टॉक जमा कर रही हैं, ग्लोबल सप्लाई में कमी से कीमतें ऊपर चढ़ीं। प्रोडक्शन रुकने के डर से सभी पहले से खरीद रहे हैं, इसी वजह से आने वाले महीनों में भी तेजी बनी रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इन कारणों की वजह से आने वाले महीनों में भी सोना और चांदी की कीमतों में तेजी बनी रहने की संभावना है। सोने-चांदी के दामों में यह बढ़त निवेशकों को लाभकारी अवसर प्रदान कर सकती है। हालांकि, बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक आर्थिक हालात को ध्यान में रखते हुए समझदारी से निवेश करना जरूरी है।

गोल्ड में तेजी के 3 प्रमुख कारण

- **डॉलर कमजोर** – अमेरिका के ब्याज दर घटाने से डॉलर कमजोर हुआ और सोने की होल्डिंग कॉस्ट कम हुई, इससे लोग खरीदने लगे।
- **जियोपॉलिटिकल** – रूस-यूक्रेन जंग और दुनिया में तनाव बढ़ने से निवेशक सोने को सबसे सुरक्षित निवेश मानकर खरीद रहे हैं।
- **रिजर्व बैंक** – चीन जैसे देश अपने रिजर्व बैंक में सोना भर रहे हैं, ये सालभर में 900 टन से ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं, इसलिए दाम ऊपर जा रहे हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

- पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।
- चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

- सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें – सिर्फ BIS हॉलमार्क वाला सोना लें।
- कीमत चेक करें – वजन और कैरेट के अनुसार दिन की कीमत ऑनलाइन क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। वजन और खरीदने के

अमेरिकी कॉमेडियन ने ट्रम्प का मजाक उड़ाया

कहा- अप्रवासियों की गिरफ्तारी रोके अपने अवॉर्ड दूंगा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी लेट-नाइट होस्ट और कॉमेडियन जिमी किमेल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का मजाक उड़ाते हुए एक ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को अवॉर्ड्स बहुत पसंद हैं, इसलिए अगर ट्रम्प मिनियापोलिस से ICE (अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) के एजेंट्स को हटा लें और उन्हें वापस बॉर्डर पर भेज दें, तो वह ट्रम्प को अपने अवॉर्ड्स दे देंगे। यह मजाक जिमी किमेल लाइव शो के गुरुवार रात के एपिसोड में आया। किमेल ने ट्रम्प को अपना 1999 का डेटाइम एमी अवॉर्ड, क्लियो अवॉर्ड, वेबी अवॉर्ड, राइटर्स गिल्ड अवॉर्ड और यहां तक कि 2015 का सोल ट्रेन अवॉर्ड व्हाइट पर्सन ऑफ द ईयर देने की पेशकश की। किमेल ने कहा कि 'इस वक्त एक अच्छा राष्ट्रपति हालात को शांत करने का रास्ता खोजता, लेकिन हमारे डोनाल्ड ऐसे नहीं हैं। वह जहां जाते हैं, वहां का तापमान बढ़ा देते हैं।' ट्रम्प ने अमेरिका के मिनेसोटा में सेना तैनात करने की धमकी दी थी। यहां अप्रवासियों की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क गई थी। जिमी किमेल के इस ऑफर पर व्हाइट हाउस ने भी प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशन डायरेक्टर स्टीवन चेउंग ने शुक्रवार को X पर लिखा, 'जिमी को ये अवॉर्ड अपने पास ही रखने चाहिए, ताकि जब खराब रेटिंग्स की वजह से उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाए।

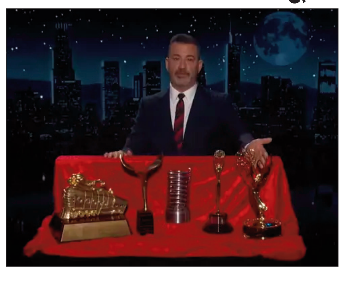

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बवाल, छात्र संगठन टकराए

रोहित वेमुला स्मृति मार्च निकालने पर बीएपीएसए-एबीवीपी आमने-सामने

- दोनों गुटों के बीच टकराव काफी तेज था। पुलिस भी असहाय नजर आई।
- यूनिवर्सिटी परिसर में दोनों छात्र संगठनों पर पुलिस काफी तेजी से एक्टिव हुई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी में शनिवार को बवाल हो गया। बिरसा अंबेडकर फूले छात्र संगठन (BAPSA) ने रोहित वेमुला की याद में मार्च निकाला। उन्हें पुलिस ने शांत कराकर लौटा दिया। उसके कुछ देर बाद ABVP के कार्यकर्ताओं से झड़प शुरू हो गई। मामला मारपीट तक भी पहुंचा। पुलिस के जवान किसी तरह मारपीट को बढ़ने से रोकने में मशक्कत करते रहे। रोहित स्मृति मार्च निकाल रहे छात्रों और दूसरे गुट के बीच नारे लगाने को लेकर पहले बहस शुरू हुई। कुछ ही देर में दोनों ओर से तेज नारेबाजी होने लगी, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान BAPSA और ABVP से जुड़े छात्र आमने-सामने आ गए। लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के शोध छात्र राधेश्याम पांडेय ने हसनगंज कोतवाली में शिकायत देकर BAPSA संगठन के कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, वह विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन की ओर जा रहे थे, तभी बिना अनुमति मार्च निकाल रहे BAPSA के कार्यकर्ताओं ने आपत्तिजनक और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले नारे लगाए। शिकायत में आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने ब्राह्मणवाद, ठाकुरवाद और सुविधा वाद जैसे नारे लगाए और ABVP से जुड़े होने व ब्राह्मण होने को लेकर राधेश्याम पांडेय को निशाना बनाया। आरोप है कि इसी दौरान उन पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में उनके साथी कौटुम्ब राय, विवेक मिश्रा और शिवम सिंह भी मौजूद थे। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

दोपहर में इकट्ठा होकर नारेबाजी की थी

लखनऊ विश्वविद्यालय में बिरसा अंबेडकर छात्र संगठन के छात्रों ने रोहित वेमुला की याद में प्रोटेस्ट किया। शनिवार को छात्र विश्वविद्यालय में इकट्ठा हुए। इसके बाद नारेबाजी की। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल भी मौजूद रहा। यूनिवर्सिटी में अंबेडकर प्रतिमा के पास में छात्र इकट्ठा हुए। इस दौरान छात्रों ने मार्च भी निकाला। इसमें छात्रों ने नारेबाजी की- 'रोहित हम शर्मिंदा हैं। तेरे कातिल जिंदा हैं'।

पीड़ित का कहना है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला, लेकिन हमले के दौरान उनकी गाड़ी रोकी गई और आसपास मौजूद अन्य लोगों को भी चोटें आईं। तहरीर में बीएपीएसए अध्यक्ष शिखर दास सहित राम शरण, रवि और करीब 20 अन्य लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का आरोप लगाया गया है।

पुलिस को दोनों गुटों को समझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

बवाल पर बीएपीएसए के छात्र बोले- एबीवीपी के गुंडे आए

कैंपस में बवाल के बाद BAPSA की ओर बयान आया है। इसमें लिखा गया है- लखनऊ विश्वविद्यालय में 12:00 बजे बिरसा अंबेडकर फूले छात्र संगठन के छात्रों ने रोहित वेमुला की याद में ₹रोहित स्मृति यात्रा₹ निकाली। यात्रा शांतिपूर्ण थी पर RSS और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के गुंडों ने छात्रों पर हमला कर दिया। यात्रा को रोकने का भयंकर प्रयास किया, छात्रों को जान से मारने की कोशिश की। एक छात्र को गंभीर चोट भी आई। यात्रा किसी तरह जय भीम के नारों के साथ, ABVP के गुंडों से लड़ते-लड़ते संपन्न हुई।

क्रिप्टो ट्रेडिंग का झांसा, ₹12.40 लाख उड़ाए

टेलीग्राम पर आए ऑफर पर किया रजिस्ट्रेशन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग के नाम पर एक युवक से 12,40,764 रुपए की ठगी कर ली। ठगी टेलीग्राम पर आए एक मैसेज से हुई, जिसमें घर बैठे मोटी कमाई का लालच दिया गया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी निवासी पीड़ित हिमांशु द्विवेदी (32) के मुताबिक 28 दिसंबर को उनके टेलीग्राम अकाउंट पर क्रिप्टो ट्रेडिंग का ऑफर आया। चैट करने पर सामने वाले ने खुद को नामी कंपनी CBOE का कर्मचारी बताया और कम समय में दोगुना-चार गुना मुनाफा कमाने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि जालसाजों ने पीड़ित को एक फर्जी वेबसाइट पर रजिस्टर कराया और टास्क पूरा करने के नाम पर अलग-अलग खातों में पैसे डलवाए। भरोसा जीतने के लिए शुरुआत में ठगों ने पीड़ित के खाते में 1000 रुपए भी ट्रांसफर किए। इसके बाद ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर पीड़ित से कुल 12,40,764 रुपए ट्रांसफर करवा लिए गए। जब पीड़ित ने पूरी रकम निकालने की बात कही तो और पैसे जमा करने का दबाव बनाया गया। पीड़ित का आरोप है कि ठग अब भी उसी अकाउंट से चैट कर आर्थिक लालच दे रहे हैं। पीड़ित ने इस मामले ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ के होटल हयात में मिली मैनेजर की लाश

लखनऊ। लखनऊ के हयात रीजेंसी होटल में फाइनेंस कंपनी के मैनेजर की मौत हो गई। वह मुंबई से ऑफिस की मीटिंग में शामिल होने आए थे। गुरुवार रात को होटल के कमरे में गए। शुक्रवार को होटल से उन्हें चेक आउट करना था। सुबह काफी देर तक उठे नहीं तो होटल स्टाफ ने अंदर जाकर देखा। वे बेसुध हालत में पड़े थे। होटल कर्मी मैनेजर को लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में ट्रेन से कटकर एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक शराब का आदी था और नशे की हालत में रेलवे ट्रैक पर लेट गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से किसी तरह का आरोप नहीं लगाया गया है। मृतक की पहचान बालागंज स्थित तीन मंदिर के पास रहने वाले 22 वर्षीय फुरकान के रूप में हुई है, जो पेशे से टेम्पो चालक था। मृतक के भाई मेराज ने बताया कि फुरकान ने अपने दोस्तों के साथ जानकीपुरम के बिठौली क्रॉसिंग के पास शराब पी थी। इसके बाद वह नशे की हालत में रेलवे ट्रैक पर लेट गया, जहां ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

न्यायिक कर्मी ने की आत्महत्या

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक न्यायिक कर्मी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। न्यायिक कर्मी मोहित कुमार का उनकी पत्नी के साथ तलाक का केस चल रहा था। शादी के सवा महीने बाद ही पत्नी न्यायिक कर्मी को छोड़कर मायके चली गई थी। घटना ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के गांव करनावाला खास गांव की है। गांव के रहने वाले मोहित कुमार (28 साल) पुत्र मुनेश ठाकुरद्वारा JM कोर्ट में क्लर्क थे।

लव मैरिज के बाद पत्नी की हत्याकर थाने पहुंचा

कानपुर में बोला- साहब, गला घोटकर मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

श्वेता
मृतक पत्नी

कानपुर। कानपुर में पति ने लव-मैरिज के 4 महीने बाद ही पत्नी की हत्या कर दी। उसने खुद थाने जाकर सरेंडर किया। रोते हुए इंस्पेक्टर से बोला- साहब, मैंने अपनी पत्नी का गला घोट दिया। उसकी लाश घर पर कंबल में लिपटी पड़ी है। उसने बताया- वारदात के 4 घंटे बाद तक इधर-उधर भटकता रहा। भागने की कोशिश की, लेकिन बाद में सरेंडर करने का फैसला किया। यह सुनते ही थाने में अफरा-तफरी मच गई। पुलिसवालों ने उसे घेरकर पकड़ लिया। पुलिस आरोपी सचिन सिंह (22) को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। वहां कमरे में चारपाई पर कंबल में उसकी पत्नी श्वेता की लाश मिली। मामला महाराजपुर थाना क्षेत्र का है। सचिन न्यू हाईटेक सिटी में मुस्कान अस्पताल के ऊपर बने कमरे में किराए पर रहता है। सचिन पुत्र भारत सिंह फतेहपुर जिले के मोहनपुर गांव का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया, 'चार महीने पहले उसने गांव की ही रहने वाली श्वेता सिंह से घरवालों के खिलाफ जाकर कोर्ट मैरिज की थी। घरवालों की नाराजगी की वजह से उसने सूरत में प्राइवेट फैक्ट्री में नौकरी कर ली। पत्नी को भी अपने साथ ले गया। एक महीने बाद ही वापस आ गया। महाराजपुर थाना क्षेत्र के रूमा स्थित एक किराए के कमरे में रहने लगा। यहां उसने किराए पर ऑटो लेकर चलाना शुरू किया, लेकिन मुझे पत्नी पर शक होने लगा।

नारे लगाए- एसडीएम तेरी तानाशाही नहीं चलेगी, तहसीलदार मुर्दाबाद, आरोप- दलाल एक्टिव

लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील में वकीलों का हंगामा

- सारे वकील एकसाथ समाधान दिवस के आयोजन में घुस आए।
- एक वकील अपनी बात तहसीलदार से रख रहे थे, उसी समय पीछे से वकीलों ने तहसीलदार मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरु कर दिए।
- वकीलों के साथ आमजन और किसान संगठनों के लोग भी खड़े हो गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज (लखनऊ)। लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को समाधान दिवस समस्या दिवस बनता दिखा। यहां वकीलों ने आमजनता से आगे बढ़ते हुए अधिकारियों को लताड़ना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में वकीलों की भीड़ आ गई। सबने SDM के सामने नारे लगाए कि SDM तेरी तानाशाही नहीं चलेगी। तहसीलदार मुर्दाबाद-मुर्दाबाद। आरोप लगाए कि तहसील में दलाल एक्टिव हैं। उनके साथ तहसीलदार संलिप्त हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाले इस समाधान दिवस में अधिकारियों की लापरवाही भी सामने आई। जानकारी के अनुसार, प्रभारी एडीएम सहित पुलिस और अन्य विभागों के कई अधिकारी सुबह 11:40 बजे तक कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए। फरियादियों ने अधिकारियों का लंबे समय तक इंतजार किया।

वकीलों ने 5 मांगें रखीं- दलाल भगाने को प्राथमिकता

अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया है कि उनकी राय और विचार-विमर्श के बिना सुदूर ग्रामीण अंचल में उपनिबंधक कार्यालय की स्थापना कर दी गई, जिससे आमजन और वकीलों को अनावश्यक परेशानी हो रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि तहसील स्थित न्यायालयों की ओर से पारित आदेशों की विहित समय सीमा के भीतर अमल नहीं किया जा रहा है। इसके साथ ही न्यायालयों में बहस पूरी हो जाने के बावजूद लंबे समय तक आदेश पारित नहीं किए जाते, वहीं अविवादित वरासत की पत्रावलियां भी महीनों तक लंबित पड़ी रहती हैं। मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कौशलेंद्र शुक्ला ने लेखपालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे समय सीमा के भीतर आख्या नहीं देते। कई मामलों में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट और गुंडई जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज पर दलालों के माध्यम से मनमाने ढंग से पत्रावलियों का निस्तारण करा रहे हैं। दलालों को सबसे पहले भगाया जाए।

नई महिला लेखपालों को प्रशिक्षण के बाद ही प्रभार दिया जाए

तहसील परिसर और मुख्य गेट के सामने फैली गंदगी की साफ-सफाई पर भी अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं। अधिवक्ताओं ने नई महिला लेखपालों को वरिष्ठ लेखपालों के साथ संबद्ध कर समुचित प्रशिक्षण देने के बाद ही स्वतंत्र प्रभार दिए जाने की मांग की है। इन सभी समस्याओं का शत-प्रतिशत समाधान सक्षम अधिकारियों द्वारा नहीं किया जाता, तब तक न्यायिक कार्य सुचारू रूप से किया जाना संभव नहीं है।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने डायमंड डेरी कॉलोनी में की औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना पुनः डायमंड डेरी कॉलोनी में सफाई व्यवस्था एवं दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति परखने हेतु अचानक पहुंचे। उन्होंने शुक्रवार को जोन एक के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने हेतु प्रातः 7:00 बजे औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान मिली खामियों एवं लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगायी थी। प्रभारी मंत्री जी शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति का जायजा लेने हेतु आज पुनः डायमंड डेरी कॉलोनी पहुंचे और वहां की जमीनी हकीकत को जाना। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पाया की सफाई कार्य जारी था तथा काफी हद तक सफाई करा दी गई है और अवैध कब्जे को नगर निगम द्वारा हटा दिया गया है। श्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि अवैध कब्जे से मुक्त कराए गए स्थान पर ओपन जिम बनवाई जाए । इसके साथ ही जाली के माध्यम से इसकी बैरिकेटिंग भी कराई जाए। उन्होंने कहा कि 20 दिन बाद संबंधित स्थान का पुनः निरीक्षण किया जाएगा। स्वच्छता संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कार्यों में विशेष रुचि लेकर अधिकारी कार्य करें मॉनिटरिंग से परिणाम बेहतर होते हैं। संबंधित अधिकारी लगातार अपने क्षेत्र में स्थलीय निरीक्षण करें और सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित कराएं।

आत्महत्या : ऑफिस में फंदा लगाया, पति बोले- प्रिंसिपल समेत स्टाफ परेशान कर रहा था

सरकारी स्कूल में महिला टीचर की लाश मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

उमा वर्मा उर्फ माला, मृतक टीचर

बाराबंकी। बाराबंकी के एक सरकारी स्कूल में शनिवार को महिला टीचर का शव मिला। प्रिंसिपल के ऑफिस में फंदे पर शव लटक रहा था। सुबह पति उनको स्कूल छोड़कर गए थे। क्लास में बैग रखने के बाद वह हेडमास्टर के ऑफिस में गई थीं। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर ऑफिस में स्टाफ ने झांककर देखा तो वे फंदे से लटक रही थीं। महिला टीचर के पति ने प्रिंसिपल पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। बाराबंकी शहर के जलालपुर मोहल्ले की निवासी उमा वर्मा उर्फ माला (40) उधवापुर के स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थीं। उनके पति ऋषि भी टीचर हैं। उनकी तैनाती सिद्धौर ब्लॉक के स्कूल में है। परिवार में दो बच्चे हैं। सहकर्मी शिक्षकों के अनुसार, उमा वर्मा शुक्रवार सुबह उमा के पति ऋषि उन्हें विद्यालय छोड़कर अपने स्कूल चले गए थे।

> सूचना पर शिक्षिका के टीचर पति ऋषि वर्मा स्कूल पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले डेढ़ साल से स्कूल की प्रिंसिपल प्रताड़ित कर रही थीं। जब वह मन लगाकर बच्चों को पढ़ाती थीं तो स्टाफ के लोग टीका-टिप्पणी करते थे। कई बार पूरे स्टाफ ने मिलकर उनके खिलाफ शिकायतें कीं। हम ट्रांसफर के लिए प्रयास कर रहे थे लेकिन ट्रांसफर नहीं हो पाया।

भाई बोला- स्टाफ ने कमरे का सामान ठीक किया, फिर पुलिस बुलाई

मृतका के भाई शिवाकांत वर्मा ने बताया - मेरी बहन मन लगाकर बच्चों को पढ़ाती थीं। इस बात को लेकर पूरा स्टाफ टीका-टिप्पणी करता था। कहते थे इनका अवॉर्ड चाहिए। एक-दो बार हमने उन्हें परेशान देखा तो पूछा लेकिन वह टाल देती थीं।

किसी ने उन्हें उतारकर अस्पताल नहीं पहुंचाया

पति ने आरोप लगाया कि सभी शिक्षकों ने उन्हें फंदे पर लटका देखा लेकिन किसी ने उन्हें उतारकर समय पर इलाज के लिए नहीं भिजवाया। शायद वो बच जातीं। सुबह 10:30 बजे मुझसे बात हुई थी लेकिन न परेशान दिख रही थीं और न ही मुझे कोई बात महसूस हुई। जिस प्रधानाध्यापक के कमरे में फांसी लगाई उसका दरवाजा अंदर से लॉक नहीं था खुला था।

पृष्ठ 01 का शेष...

अहिल्याबाई की ...

यहां बाबा विश्वनाथ को पुष्प अर्पित किए और माला चढ़ाई। सीएम योगी ने विधिवत पूजन किया। ACP गौरव कुमार ने पुलिस फोर्स को ब्रीफ किया। कहा- कोई जबरदस्ती जाने की कोशिश करता है, या धरने की कोशिश करता है तो उसे रोकना है। किसी को भी अंदर नहीं जाने देना है। स्थानीय अभिषेक शर्मा ने कहा- जो घटना हुई वह सभी के सामने है। सरकार को सभी की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। गलती हुई है, जो किया उस पर कार्रवाई करना चाहिए। हम विकास का विरोध नहीं करते हैं। धरोहरों की रक्षा करना चाहिए। वहीं, मणिकर्णिका घाट पर मणि टूटने का पहला वीडियो फेसबुक लाइव करने वाले पागल बाबा ने कहा- 'उस दिन हमारे सामने मणि तोड़ी जा रही थी। जब हम रोकने पहुंचे तो ठेकेदार ने हमें भगा दिया। इसके बाद मैंने फेसबुक पर वीडियो लाइव किया। जिसे तोड़ा गया, उसमें माता अहिल्याबाई की मूर्ति लगी थी। लेकिन यहां कोई बड़ा अधिकारी नहीं था। ठेकेदार ने अपने बुलडोजर को नहीं रोका। हम सरकार से मांग करते हैं आप विकास करिए लेकिन हमारी धरोहर को संरक्षित करें।' पागल बाबा के इस बयान के बाद संत समाज में नाराजगी और तेज हो गई। शहर दक्षिणी के विधायक नीलकंठ तिवारी ने कहा- विपक्ष एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से फर्जी वीडियो बनाकर सनातन धर्म की आस्था पर चोट करने की कोशिश कर रहा है। सच्चाई यह है कि एक भी प्राचीन मंदिर या मूर्ति को नुकसान नहीं पहुंचा है। प्राचीन कलाकृतियां ड्रिलिंग के वाइब्रेशन के कारण संवेदनशील स्थिति में थीं, उन्हें संस्कृति विभाग ने अत्यंत सावधानी से सुरक्षित कर लिया है। कार्य पूर्ण होने पर इन्हें ससम्मान दोबारा स्थापित किया जाएगा।

बंगाल के ...

इधर भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को कहा कि ट्रेनों को जलाया जा रहा है। ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर सही ठहरा रही हैं। शनिवार सुबह प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा स्टेशन के पास रेल गेट में तोड़फोड़ की और रेलवे सिग्नल को नुकसान पहुंचाया। इसके चलते कृष्णनगर और लालगोला के बीच ट्रेन बंद कर दी गईं। पुलिस के अनुसार, सैकड़ों स्थानीय लोग बेलडांगा के बरुआ मोड़ पर NH-12 पर जमा हो गए। इससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया और कई वाहन फंस गए। पूर्व रेलवे के जनरल मैनेजर मिलिंद के. देउस्कर ने बताया कि हालात को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त RPF और RPSF बल तैनात किए जा रहे हैं। नए सिरे से तनाव की खबर के बाद बेलडांगा में पुलिस की तैनाती और बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मुर्शिदाबाद के मजदूर अनीसुर शेख के साथ बिहार में मारपीट की गई। इस घटना से शुक्रवार की हिंसा के बाद शांत हुआ गुस्सा फिर भड़क उठा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घायल मजदूर अनीसुर शेख शुक्रवार देर रात किसी तरह मुर्शिदाबाद पहुंचा। उसकी हालत गंभीर थी। उसे मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय विधायक हुमायूं कबीर मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने कहा कि हालात सामान्य करने और हिंसा को फैलने से रोकने की कोशिश की जा रही है। बेलडांगा में हिंसा की शुरुआत शुक्रवार सुबह हुई थी। मुर्शिदाबाद के अलाउद्दीन शेख (30), झारखंड में फेरीवाले का काम करता था। गुरुवार सुबह उसके गांव में मौत की खबर पहुंची।

शिंदे के सभी 29...

BMCमें पहली बार BJP का मेयर बनाया जा सकता है। भगवा पार्टी ने चुनावों में पवारों को चौंका दिया, BJP ने यहां 119 सीटें जीतीं, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 27 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही। उसके सहयोगी NCP (SP) को तीन सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को 15 सीटें मिलीं। 151 सदस्यों वाले में नागपुर नगर निगम में भी BJP का दबदबा रहा, उसे 102 सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 34 सीटें मिलीं।

ईरान से लौटे ...

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा- हमारे लगभग 9,000 नागरिक इस समय ईरान में रह रहे हैं। इनमें से अधिकांश छात्र हैं। वहां के हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर हमने भारतीय नागरिकों को वहां उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी है। इससे पहले, गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने ईरान में फंसे भारतीय लोगों के लिए एक एडवाइजरी की थी। सरकार ने भारतीय नागरिकों से अपने पासपोर्ट, वीजा और अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट्स हमेशा अपने पास तैयार रखने को कहा था। भारतीय दूतावास ने लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर और ईमेल एड्रेस भी जारी किया है। ईरान में भारतीय लोगों को +989128109115; +989128109109, +989128109102 और +989932179359 पर संपर्क करने को कहा गया है। ईमेल एड्रेस cons.tehran@mea.gov.in पर मदद ली जा सकती है। भारत सरकार की यह एडवाइजरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस धमकी के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि अगर ईरान देशभर में हो रहे प्रदर्शनों का हिंसा से जवाब देना जारी रखता है, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

महिला चोर ने दांतों से काटी 4.5 लाख की चेन

झांसी में धक्का-मुक्की में गर्दन पर मुंह सटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में महिला चोर ने दांतों से 4.5 लाख की चेन काट ली। भागवत कथा में मंच के पास जैसे ही धक्का-मुक्की हुई, महिला चोर रिटायर्ड दरोगा की पत्नी के पास पहुंची। अपनी सहेली के साथ उन्हें घेर लिया। एक ने महिला के कंधे पर हाथ रखा। दूसरे ने गर्दन पर मुंह सटाकर दांतों से चेन काटकर चोरी कर ली। सिर्फ 10 सेकेंड में घटना को अंजाम दिया। इस दौरान भाजपा विधायक रवि शर्मा भी कथा सुनने पहुंचे थे। घटना सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के अयोध्यापुरी कॉलोनी में 14 जनवरी को हुई, लेकिन वीडियो आज सामने आया। अब तक दोनों महिला चोरों की पहचान नहीं हो पाई है। महिला चोर की सहेली ने रिटायर्ड दरोगा की पत्नी के कंधे पर हाथ रखा। महिला चोर ने गर्दन पर मुंह सटाकर दांतों से चेन काटकर चोरी कर ली। अयोध्यापुरी कॉलोनी निवासी दयाशंकर व्यास ने बताया, 'मैं रिटायर्ड दरोगा हूं। मेरी पत्नी ज्ञान देवी सत्संग सुंदरकांड समिति की सदस्य हैं। कॉलोनी में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा सुनने के लिए पत्नी रोजाना जाती थीं। 14 जनवरी को भाजपा विधायक रवि शर्मा और उनकी पत्नी, मेरी पत्नी को सम्मानित करने वाले थे। पत्नी, बहू और बच्चों के साथ कथा में आई थीं। यहां कृष्ण जन्म के समय मंच से फल-फूल और खिलौने लुटाए जा रहे थे। इसे पाने के लिए काफी महिलाएं मंच तक पहुंच गईं। इससे धक्का-मुक्की होने लगी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676